

उत्तर प्रदेश की छह जातियों को एसटी में शामिल करने का वधियक पेश

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश की छह जातियों- गोंड, धुनिया, नायक, ओझा, पठारी और राजगोड़ को अनुसूचति जनजाति (एसटी) का दर्जा दिलाने हेतु वधियक लोकसभा में पेश किया गया।

प्रमुख बदि

- गौरतलब है कि अनुसूचति जनजाति की सूची में संशोधन से संबंधति तीन वधियक संसद में वचिराधीन हैं।
- अनुसूचति जनजाति संशोधन वधियक, 2022 में उत्तर प्रदेश के संत कबीर नगर, कुशीनगर, चंदौली, संत रवदिस नगर में रहने वाली गोंड जाति को अनुसूचति जाति (एससी) की सूची से बाहर कर अनुसूचति जनजाति (एसटी) की सूची में शामिल करने का प्रावधान है।
- इसके अलावा संत कबीर नगर, कुशीनगर, चंदौली और संत रवदिस नगर में रहने वाली धुनिया, नायक, ओझा पठारी और राजगोड़ को भी अनुसूचति जनजाति में शामिल करने का प्रावधान इस वधियक में किया गया है।
- उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के 13 जिलों (महराजगंज, सदिधार्थ नगर, बस्ती, गोरखपुर, देवरिया, मऊ, आजमगढ़, जौनपुर, बलिया, गाज़ीपुर, वाराणसी, मरिज़ापुर और सोनभद्र) में इन जातियों को पहले से ही अनुसूचति जनजाति का दर्जा मिला हुआ है।
- गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश की 15 जातियों वर्तमान में अनुसूचति जनजाति की सूची में शामिल हैं।